Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5402]-EXT-11

M.A. (Part-I) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएं :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. अमीर खुसरो की पहेलियों की लोकरंजकता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'पद्मावत में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है'—विवेचन कीजिए।

2. भ्रमरगीत में व्यक्त गोपियों के विरह-भाव को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

3. भूषण के काव्य की शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अमीर खुसरो की भाषा

(ख) पद्मावत में सौंदर्य-चित्रण

(ग) भ्रमरगीत में प्रकृति का वर्णन

(घ) मुक्तककार बिहारी

(ङ) भूषण के काव्य के विषय।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त समाज को स्पष्ट कीजिए।

(ख) पद्मावत की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) भ्रमरगीत में व्यक्त उपालंभ का विवेचन कीजिए।

(घ) सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान स्पष्ट कीजिए।

(ङ) भूषणकालीन परिस्थितियों का चित्रण कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) उज्ज्वल बरन अधीन तन, एक चित्त दो ध्यान।
देखन में तो साधु है, पर निपट पाप की खान॥

(ख) जेठ जरै जग बहै लुवारा। उठै बवंडर धिकै पहारा।
बिरह गाजि हनिवंत होइ जागा। लंका डाह करै तन लागा।
चारिहुँ पवन झँकोरै आगी। लंका डाहि पलंका लागी।

दहि भइ स्याम नदी कालिंदी। बिरह कि आगि कठिन असि मंदी।
उठै आगि औ आवै आँधी। नैन न सूझ मरौं दुख बाँधी।
अधजर भई माँसु तन सूखा। लागेउ बिरह काग होइ भूखा।
माँसु खाइ अब हाडन्ह लागा। अबहूँ आउ आवत सुनि भागा॥

(ग) हम तौ कान्ह केलि की भूखी।
कैसे निरगुन सुनहि तिहारी बिरहिनी बिरह बिदूखी ?
कहिए कहा यहौ नहिं जानत काहिं जोग है जोग।
पा लागों तुमहीं सो वा पुर बसत बावरे लोग ॥
अंजन, अभरन, चीर, चारु बरु नेकु आप तन कीजै।
दंड, कमंडल, भस्म अधारी जो जुबतिन को दीजै ॥
सूर देखि दृढ़ता गोपिन की ऊधो यह ब्रत पायो।
कहै कृपानिधि हो कृपाल हो! प्रेमै पढ़न पठायो ॥

(घ) नहिं परागु नहिं मधुर मधु, नहिं बिकासु इहिं काल।
अली, कली ही सौं बध्यौ, आगैं कौन हवाल ॥

(ङ) ब्रह्म के आनन ते निकसे ते अत्यंत पुनीत तिहूँ पुर मानी ।
राम युधिष्ठिर के बरने बलमीकिहु व्यास के संग सोहानी ॥
भूषण यों कलि के कविराजन राजन के गुन पाय नसानी ।
पुन्य चरित्र सिवा सरजा सर न्हाय पवित्र भई पुनि बानी ॥

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-EXT-12

M.A. (Part I) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'कलि-कथा : वाया बाइपास' की आलोचना कीजिए।

अथवा

'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

2. 'उसकी माँ' कहानी के प्रमुख चरित्रों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'वह क्या था ?' कहानी का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

3. 'अभंग-गाथा' नाटक में चित्रित वातावरण का विवेचन कीजिए।

अथवा

'अभंग-गाथा' नाटक के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

4. निबंध के तत्वों के अनुसार 'समाधि लेख' का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'निबंध माला' में संकलित निबंधों के शीर्षकों की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) दुख और मनहूसियत कोई ऐसी चीजें तो नहीं कि आदमी उन्हें सदा गले लगाकर रखे; अपने को बदलना होगा – क्या यही सोचते-सोचते जीना, जीने का कोई तरीका है ?

अथवा

''चाचा जी, नष्ट हो जाना तो यहाँ का नियम है। जो सँवारा गया है, वह बिगड़ेगा ही। हमें दुर्बलता के डर से अपना काम नहीं रोकना चाहिए।''

(ख) 'जानता हूँ, एक तरफ सुलतानों, अमीर-उमरा तक तुम्हारी पहुँच है, दूसरी तरफ धनिक वर्ग तक। उनका गुणगान करके तुम उनसे लाभ और प्रतिष्ठा पाते हो, बदले में अपनी विद्या और बुद्धि को उनके चरणों में चढ़ा देते हो।

अथवा

भारतीय जनतंत्र पंचमुख-परमेश्वर है, सबसे ऊपर वाला मुख ईशान है, जिसका कोई व्यक्त आकार नहीं, जिसकी कोई व्यक्त भाषा नहीं, यह मुख है राज्याध्यक्ष, एकदम निरपेक्ष, पर सबसे ज्यादा चंदन का लेप इसी मुख पर होता है और सबसे ज्यादा फूल-मालाएँ इसी पर पड़ती हैं।

munotes.in

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5402]-EXT-13

M.A. (Part I) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI

प्रश्नपत्र-3 : विशेष स्तर

(भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. रस-निष्पत्ति संबंधी भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त की व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए वक्रोक्ति के भेदों पर प्रकाश डालिए।

2. भारतीय काव्यशास्त्र में ध्वनि सिद्धांत का क्या महत्व है ? इसे स्पष्ट करते हुए ध्वनि के आधार पर काव्य-भेदों का विवेचन कीजिए।

अथवा

अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति तथा परिभाषा देते हुए काव्य में अलंकारों का स्थान निर्धारित कीजिए।

3. प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत का परिचय दीजिए।

अथवा

उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्वों का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

4. अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का स्वरूप और महत्व विशद कीजिए।

अथवा

आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का उल्लेख करते हुए तुलनात्मक और ऐतिहासिक आलोचना प्रणाली का महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) साधारणीकरण की अवधारणा

(ख) रीति और शैली

(ग) त्रासदी विवेचन

(घ) यथार्थवाद।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**9**

Seat No.	

[5402]-EXT-14

M.A. (Part I) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विधा तथा अन्य

(2013 PATTERN)

munotes.in

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित में से किसी **एक** पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) कबीर तथा तुलसीदास

(आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा
कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी दलित साहित्य

(अ) कबीर तथा तुलसीदास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. संतकाव्य परंपरा में कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

कबीर साहित्य में रहस्यवाद किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ? सविस्तार समझाइए।

2. कबीर काव्य में वर्णित माया तथा जगत संबंधी दार्शनिक भावों की मीमांसा कीजिए।

अथवा

कबीर भक्त के साथ उपदेशक और समाज-सुधारक भी थे। स्पष्ट कीजिये।

3. पठित रचनाओं के संदर्भ में तुलसीदास के दार्शनिक विचारों का परिचय दीजिए।

अथवा

तुलसीदास के जीवन का परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए।

4. तुलसीदास ने 'विनयपत्रिका' में अपने मन को किस प्रकार उद्बोधित किया है ?

अथवा

'विनयपत्रिका' का वर्ण्य विषय समझाइए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''कबीर यहु घर प्रेम का, खाला का घर नाहिं।
सीस उतारै हाथि करि, सो पैसे घर माँहि॥''

अथवा

''निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटि बँधाइ।
बिन साबण पाँणी बिना, निरमल करै सुभाइ॥''

(ख) ''राम से प्रीतम की प्रीति, रहित जीव जाय जियत।
जेहि सुख-सुख मानि लेत, सुख सो समुझ कियत॥
जहँ-जहँ जेहि जोनि जनम महि, पताल, वियत।
तहँ-तहँ तू विषय-सुखहिं चहत लहत नियत॥
कत विमोह लट्यो, फदयो गगन मगन सियत।
तुलसी प्रभु-सुजस गाइ, क्यों न सुधा पियत॥''

munotes.in

अथवा

''राम लखन सिय रूप निहारी। कहहिं सप्रेम ग्राम नर नारी॥
ते पितु मातु कहहु सखि कैसे। जिन्ह पठए बन बालक ऐसे॥
एक कहहिं भल भूपति कीन्हा। लोयन लाहु हमहिं बिधि-दीन्हा॥
तब निषादपति उर अनुमाना। तरु सिंसुपा मनोहर जाना॥
ले रघुनाथहि ठाउँ देखावा। कहेउ राम सब भाँति सुहावा॥
पुरजन करि जोहारु घर आए। रघुबर संध्या करन सिधाए॥

munotes.in

[5402]-EXT-14

(आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'परिशिष्ट' शीर्षक उपन्यास की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'अलग-अलग वैतरणी में भारतीय ग्रामीण जीवन का यथार्थ चित्रण है', कथन को स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी के तिलस्मी, जासूसी उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

'गोदान' उपन्यास में चित्रित सामाजिक समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

3. इक्कीसवीं सदी के यात्रा साहित्य का परिचय दीजिए।

अथवा

'सूर्य मंदिरों की खोज में' यात्रा साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

4. यात्रा साहित्य की परिभाषाएँ देते हुए उसके उद्‌भव पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''राहुल सांकृत्यायन की 'मेरी जीवन यात्रा' एक संवेदनशील कर्मप्राण महापुरुष के द्वारा लिखी पहली जन-कथा है, जो इतिहास से अधिक सत्य, उपन्यास से अधिक रोचक है''। कथन का विवेचन कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''सम्भवत: पापी-से-पापी मनुष्य नहीं कह सकता कि वह पापी है। प्रत्येक व्यक्ति अपने को अच्छा समझता है, अपने को ठीक तरह से समझना उसके लिए असम्भव है। यदि श्वेतांक इस निर्णय पर पहुँचे कि मैं पापी हूँ, तो मैं वास्तव में पापी हूँ।''

अथवा

''तो महतो मेरी भी सुन लो। जो बात तुम चाहते हो, वह न होगी। सौ जनम न होगी। झुनिया हमारी जान के साथ है। तुम बैल ही तो ले जाने को कहते हो, ले जाओ। मगर इससे तुम्हारी कटी हुई नाक जुड़ती है तो जोड़ लो, पुरखों की आबरू बचती हो तो बचा लो।''

(ख) ''यह अजीब-सा यात्री कौन है, जिसकी पद्‌चाप हमेशा पहाड़ों में सुनाई दे जाती है– ...... चाँदनी ...... पहाड़ी हवा या मृत्यु ?''

अथवा

''किन्तु रोम। रोम और इटली और वहाँ के लोग अंतर्विरोध सर्वत्र होते हैं और पुराने देश पुरानी सभ्यता में कदाचित अधिक होते हैं।''

munotes.in

[5402]-EXT-14

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा

कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

1. हिंदी रंगमंच की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पठित नाटकों के आधार पर सुरेंद्र वर्मा की नाट्यकला का विवेचन कीजिए।

2. 'आठवाँ सर्ग' नाटक की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'रति का कंगना' नाटक के चरित्र-चित्रण को स्पष्ट कीजिए।

3. दिनकर के प्रबंध काव्यों का परिचय दीजिए।

अथवा

''दिनकर का काव्य प्रेमभाव से आपूरित है'' विवेचन कीजिए।

4. 'उर्वशी' काव्य के अनुभूति-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'हुंकार' काव्य के काव्य-सौष्ठव का विवेचन कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''काम का सामान्य अर्थ तृष्णा है पर भारतीय चिंतन ने देवता का पद दिया है इसे .... जो व्यक्ति को कमनीय वासना की ओर ले जाता है .... आसक्ति का उदय उसी के संयोग से होता है, इसीलिए धर्म में भी बड़ी महिमा है इसकी''।

अथवा

''परंपरागत शब्दों को छोड़ दो। क्या कोई स्थिति ऐसी नहीं हो सकती, जिसमें परपुरुष पति बन जाए और पति परपुरुष ?''

(ख) ''अपने दु:ख और सुयोधन के सुख
क्या न सदा तुझको खलते थे ?
कुरूराज का देख प्रताप बता, सच
प्राण क्या तेरे नहीं जलते थे ?
तप से ढँक किंतु, दुरग्नि को पाण्डव
साधु बने जग को छलते थे,
मन में भी प्रचंड शिखा प्रतिशोध की,
बाहर वे कर को मलते थे''

अथवा

''दूध, दूध!'' फिर सदा कब्र की, आज दूध लाना ही होगा;
जहाँ दूध के घड़े मिले, उस मंझिल पर जाना ही होगा।
हटो व्योम के मेघ! पंथ से, स्वर्ग लूटने हम आते हैं;
''दूध, दूध! ....'' ओ वत्स! तुम्हारा दूध खोजने हम जाते हैं।

[5402]-EXT-14

(ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी दलित साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

अथवा

बैंकों में कम्प्यूटर के योगदान को विशद कीजिए।

2. कार्यालयीन लेखन के संदर्भ में प्रारूपण का विस्तृत विवेचन कीजिए।

अथवा

टेलीविजन तथा सिनेमा लेखन के विविध प्रकारों को विशद कीजिए।

3. पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा लिखकर शब्द की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी दलित साहित्य तथा दलित विमर्श का विवेचन कीजिए।

4. ''‘जूठन’ आत्मकथा में दलित जीवन के यथार्थ की अभिव्यक्ति हुई है।'' विशद कीजिए।

अथवा

‘जस-तस भई सबेर’ उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताएँ लिखिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''अब हम अलग हो जायेंगे, फिर कभी मुलाकात होगी भी कि नहीं, मैं नहीं जानती और होगी भी तो जीवन के किस मोड़ पर मुलाकात होगी। यह भी मैं नहीं जानती।''

अथवा

''मैं जैसे-जैसे दलित साहित्य के संपर्क में आ रहा था, मेरे लिए साहित्य के अर्थ बदल रहे थे। सुदामा पाटिल ने इन दिनों मेरी बहुत मदद की थी। मेरा मराठी का ज्ञान धीरे-धीरे विकसित हो रहा था।''

(ख) ''बापू, यहाँ न तो इज्जत है, ना रोटी, चमारों की नज़र में भी हम सिर्फ बल्हार हैं .... यहाँ तुम्हारी वजह से आना पड़ता है .... मेरे बच्चे यहाँ आना नहीं चाहते .... उन्हें यहाँ अच्छा ही नहीं लगता ....।''

अथवा

''पिछले पाँच बरस से
बुद्धन की बेटी
दहेज के अभाव में
कुँवारी बैठी है
अब के बरस भी वह
कुँवारी न रह जाए।''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**]　　　　　　　　[Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5402]-EXT-16

M.A. (Part-II) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-5 : सामान्य स्तर-आधुनिक काव्य–I

(महाकाव्य, खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे　　　　　　　　**पूर्णांक : 100**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी — जयशंकर प्रसाद

(*ii*) गोपा गौतम — जगदीश गुप्त

(*iii*) विशेष कवि कुँवर नारायण — संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर

(*iv*) नई कविता — संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'कामायनी' के दार्शनिक पक्ष को उद्घाटित कीजिए।

अथवा

'कामायनी' के नारी पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

munotes.in

2. 'गोपा गौतम' खंडकाव्य के आधुनिक बोध पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'गोपा गौतम' की बिंब और प्रतीक योजना को सोदाहरण विवेचित कीजिए।

3. कुँवर नारायण के काव्य का शिल्प-विधान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''कवि कुँवर नारायण की कविता सामाजिक सरोकार की कविता है''—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. कात्यायनी के काव्य के भावपक्ष का विवेचन कीजिए।

अथवा

उदय प्रकाश के काव्य की शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

5. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) श्रद्धा के मधु अधरों की छोटी-छोटी रेखाएँ,
रागारूण किरण कला-सी विकसी बन स्मिति रेखाएँ।
वह कामायनी जगत की मंगल कामना अकेली,
थी ज्योतिष्मती प्रफुल्लित मानस तट की वनबेली।''

अथवा

कैसा अनुराग था यशोधरा का
उनके विराग को
जिसने अहरह इतना दीप्त किया,
बन गया बंधन ही
मुक्ति का एकाधार

munotes.in

(ख) हम बचाए रख सकते हैं उसके लिए
अपने अंदर कहीं ऐसा एक कोना
जहाँ जमीन और आसमान
जहाँ आदमी और भगवान के बीच दूरी
कम से कम हो।

अथवा

उनसे इतना ही कह दे :
''हाथ फैलाना नहीं है अपना कर्म
छीन लिया है जो अपना
वह छीन के लेना ही, है युगधर्म''

munotes.in

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5402]-EXT-17

M.A. (Part II) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-6 : विशेष स्तर

भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक भाषा-विज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वनिम की परिभाषा देते हुए स्वनिम के स्वरूप और विशेषताओं को विशद कीजिए।

2. शब्द और अर्थ के संबंध पर प्रकाश डालते हुए अर्थ-बोध के साधनों का विवेचन कीजिए।

अथवा

साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

डॉ. चटर्जी और हरदेव बाहरी द्वारा किया गया आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

4. हिंदी प्रसार के आंदोलन में योगदान देने वाले प्रमुख व्यक्ति तथा संस्थाओं का परिचय दीजिए।

अथवा

देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास का विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अर्थ-विस्तार

(ख) स्वनिम के भेद

(ग) राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

(घ) रचना के आधार पर वाक्य के भेद।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-EXT-18

M.A. (Part II) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र–7 : (बहिस्थ) : विशेषस्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तथा आधुनिककाल तक)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. आदिकाल के विविध नाम देते हुए नामकरण के विविध आधारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ विशद कीजिए।

2. भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक कारण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भक्तिकालीन कबीर तथा तुलसी की सामाजिक उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

3. रीतिकालीन राजनीतिक, सामाजिक तथा धार्मिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रीतिमुक्त काव्य की विषयगत और शैलीगत प्रवृत्तियाँ विशद कीजिए।

4. हिंदी कहानी साहित्य के उद्भव और विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

भारतेंदुयुगीन काव्यधारा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) जैन रासो

(ख) भक्तिकालीन नीति साहित्य

(ग) रीतिकालीन कवि केशवदास

(घ) हिंदी आत्मकथा साहित्य.

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**6**

Seat No.	

[5402]-EXT-19

M.A. (Part II) EXAMINATION, 2018

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 8 : विशेष स्तर वैकल्पिक (बहिस्थ)

(2013 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

(आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी

(इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी आलोचना में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"आलोचना सर्जनशील साहित्य के लिए प्रेरक एवं मार्गदर्शक होती है।" कथन की समीक्षा कीजिए।

munotes.in

2. समकालीन आलोचना की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति का स्वरूप एवं विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

3. ''अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता, तर्कसंगति तथा प्रमाणबद्धता आवश्यक है,'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शोध प्रबंध लेखन प्रणाली के अंतर्गत किन मुद्दों पर विचार किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

4. अनुसंधान में सामग्री संकलन का महत्व विशद कीजिए।

अथवा

पाठालोचन के मुख्य सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना की प्रक्रिया

(ख) डॉ. नामवर सिंह की आलोचना की विशेषताएँ

(ग) अनुसंधान के मूलतत्व

(घ) तुलनात्मक अनुसंधान।

munotes.in

[5402]-EXT-19

(आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद के स्वरूप एवं परिभाषा को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वाणिज्य तथा बैंकों में अनुवाद की सामग्री के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसमें आने वाली समस्याओं को समझाइए।

2. अनुवाद कार्य में सहायक साधनों का परिचय दीजिए।

अथवा

अनुवाद विज्ञान में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

3. वाणिज्य, व्यापार और बैंक के अनुवाद की आवश्यकता बताकर उनकी व्याप्ति पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट कर पत्रकारिता के मूलतत्वों को विशद कीजिए।

4. प्रिंट पत्रकारिता के संदर्भ में मुद्रणकला के विविध अंगों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता को स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद कार्य में सहायक साधन

(ख) नाट्यानुवाद

(ग) सूचना समाज की अवधारणा

(घ) सर्वेक्षण वृत्तांत।

munotes.in

(इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति लिखते हुए उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लोकसाहित्य का मनोविज्ञान तथा भाषाविज्ञान से परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिए।

2. लोकसाहित्य संकलन की पद्धतियों का परिचय दीजिए।

अथवा

लोकगीत और शिष्टगीत के अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. भारतीय साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'बारोमास' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए।

4. 'नागमंडल' नाटक की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'खानबदोश' आत्मकथा में चित्रित समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) होली और सावन के लोकगीत

(ख) ढोला मारू रा दूहा

(ग) 'नागमंडल' के संवाद

(घ) 'खानाबदोश' की भाषा।

munotes.in